किसानों को योगिक खेती का प्रशिक्षण देना जरूरी

ज्ञान सरोवर में ग्राम विकास राष्ट्रीय सम्मेलन आरंभ

माउंट आबू, ३० जून। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के ज्ञान सरोवर अकादमी परिसर में ग्राम विकास सेवा प्रभाग के बैनर तले ज्ञान विज्ञान का प्रकाश विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का अतिथियों ने दीप प्रज्जवल के साथ शुभारंभ किया।

सम्मेलन के उदघाटन सत्र को संबोधित करते हुए महाराष्ट्र कृषि राज्यमंत्री सदाभाऊ खोते ने कहा कि किसानों को योगिक खेती का प्रशिक्षण देना समय और परिस्थितियों की बलवती मांग है। अन्नदाता किसानों की राष्ट्र विकास में अहम भूमिका होती है। किसानों की हालत को बेहतर बनाने के लिए राजनीतिज्ञों के साथ ब्रह्माकुमारी संस्थान के संगठित प्रयासों की जरूरत है। जैविक खेती के साथ यौगिक खेती को स्थापित करने के लिए ब्रह्माकुमारी संगठन द्वारा जो प्रशिक्षण दिया जाता है उसके सार्थक परिणाम सामने आये हैं। इस प्रशिक्षण से किसान आत्महत्या करने की बजाय अपनी मेहनत का पर्याप्त मुनाफा कमाने में सक्षम होगा।

मध्यप्रदेश गोपालन व पशुसंवर्धन बोर्ड उपाध्यक्ष संतोष जोशी ने कहा कि किसानों की समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए उन्हें जैविक के साथ योगिक खेती के प्रयोग करने चाहिए। इसके लिए ब्रह्माकुमारी संगठन गत लंबे समय से गांव-गांव जाकर भगीरथ कार्य रहा है।

ज्ञान सरोवर निदेशिका राजयोगिनी डॉ. निर्मला ने कहा कि यौगिक खेती जीवन को प्रकाशित कर देती है। योग में रह कर सकारात्मक विचारों के प्रसारण से फसल उत्तम गुणवत्ता की होती है।

उत्तर प्रदेश लखनऊ कृषि निदेशालय सहायक निदेशक बीके बदरी विशाल ने कहा कि रसायन की अधिकता से बीमारियां बढ़ती जा रही हैं। १९५१ की तुलना में आज १५० गुणा रासायनिक खादों का उपयोग हो रहा है। इसके स्थायी समाधान को फिर से परम्परागत खेती को अपनाना होगा।

ग्राम सेवा प्रभाग अध्यक्षा बीके सरला बहन ने कहा कि योगिक खेती का प्रशिक्षण लेने के बाद किसानों को बेहतर परिणाम मिल रहे हैं। योगिक खेती को सीख लेने के बाद कोई भी किसान आत्महत्या नहीं करेगा।
मीडिया प्रभाग अध्यक्ष बीके करूणा ने कहा कि आध्यात्मिक उत्तम कर्मो की खेती करने में सहायक है जो प्रतिकूल परिस्थितियों में भी मानसिक स्तर को मजबूत रखती है।

पंतनगर जीबीपीयूएटी कुलपति डॉ. ए.के. मिश्रा ने कहा कि जहां कृषि के क्षेत्र में अद्भुत प्रगति हुई है वहीं किसानों की हालत खराब होती जा रही है। किसानों को उनके उत्पाद पर वैल्यू एडिशन सिखा दिया जाए तो उनकी हालत सुधर जायेगी।

प्रभाग उपाध्यक्ष बीके राजेंद्र प्रसाद, राष्ट्रीय संयोजिका बीके सुनंदा बहन, राष्ट्रीय संयोजिका बीके तृप्ति बहन, राजयोग प्रशिक्षिका बीके गीता बहन ने भी विचार व्यक्त किए।

३०एमएबी१,२,३

माउंट आबू। ग्राम विकास सेवा प्रभाग के राष्ट्रीय सम्मेलन के उदघाटन सत्र को संबोधित करते अतिथिगण।
माउंट आबू। सम्मेलन में उपस्थित सहभागी।
माउंट आबू। दीप प्रज्जवलित कर सम्मेलन का उदघाटन करते अतिथिगण।